



पशुधन द्वारा
जीवन में गुणात्मक सुधार



बिहार सरकार

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशुओं हेतु उपयोगी रबी की चारा फसलें

बुआई का तरीका एवं दर



रबी की चारा फसलें

क्र. सं.	चारा का नाम एवं प्रजाति	जमीन की तैयारी	बुआई	बुआई का तरीका एवं दर	सिंचाई	कटाई	अनुमानित उत्पादन लागत
1	जई (जे0एच0ओ0-822 / केन्ट)	60 कि० ग्रा०/हे० (750 ग्रा०/कट्ठा) DAP एवं 5 टन/हे० गोबर की खाद के बाद जुताई	अक्टुबर से नवम्बर	50 कि० ग्रा०/हे० (625ग्रा०/कट्ठा) छिड़कन विधि या पंक्तिबद्ध तरिके से।	सिंचाई अंकुरण के 10-15 दिन बाद तथा 40 कि० ग्रा०/हे० यूरिया खाद से टॉप ड्रेसिंग के बाद प्रति कटाई।	बोआई के 45-50 दिन बाद तत्पश्चात् 50-55 दिन के अन्तराल पर।	रु० 0.80 / कि० ग्रा० चारा
2	गेहु (दोहरा उपयोग) (भी०-एल-829)	60 कि० ग्रा०/हे० (750 ग्रा०/कट्ठा) DAP एवं 5 टन/हे० गोबर की खाद के बाद जुताई	15 नवम्बर -15 दिसम्बर	80 कि० ग्रा०/हे० (1 कि० ग्रा०/कट्ठा) की दर से छिड़कन विधि या पंक्तिबद्ध तरिके से।	बोआई के 20-21 दिन बाद प्रथम सिंचाई तथा 60 कि० ग्रा०/हे० यूरिया खाद से टॉप ड्रेसिंग। पुनः चारा की कटाई के बाद यूरिया खाद से टॉप ड्रेसिंग एवं सिंचाई पुनः बुआई के 130 दिन पर सिंचाई।	बोआई के 65-70 दिन पर एक कटाई।	
3	बरसीम (हाइब्रिड इजिप्ट / बरदान)	60 कि० ग्रा०/हे० (750 ग्रा०/कट्ठा) DAP एवं 5 टन/हे० गोबर की खाद के बाद जुताई	अक्टुबर से नवम्बर	20 कि० ग्रा०/हे० (250 ग्रा०/कट्ठा) की दर से। 1:3 अनुपात में बीज और बालु मिलाकर छिड़काव विधि से या 30 x 30 से०मी० की दूरी पर पंक्तिबद्ध तरिके से।	बोआई के तुरंत बाद तथा प्रति कटाई के बाद 40 कि० ग्रा०/हे० यूरिया से टॉप ड्रेसिंग के बाद।	प्रथम कटाई बोआई से 45-50 दिन पर तथा अगली कटाई 30-35 दिन के अन्तराल पर (चार से पाँच कटाई)	रु० 0.42 / कि० ग्रा० चारा
4	काउ पी (बण्डेल-2 / हाईब्रीड / स्थानीय)	60 कि० ग्रा०/हे० (750 ग्रा०/कट्ठा) DAP एवं 5 टन/हे० गोबर की खाद के बाद जुताई	अप्रैल से अगस्त	15 कि० ग्रा०/हे० (190 ग्रा०/कट्ठा) की दर से पंक्तिबद्ध तरिके से 30 x 30 से०मी० की दूरी पर उच्च भूमि में लगाया जा सकता है।	सिंचाई आवश्यकतानुसार। बोआई के 25-30 दिन पर एक निकौनी आवश्यक।	बोआई के 75-80 दिन के बाद कटाई की जा सकती है।	रु० 0.94 / कि० ग्रा० चारा
5	राईस-बीन (आर०बी०एस०-16) / स्थानीय)	60 कि०ग्रा०/हे० (750 ग्रा०/कट्ठा) DAP एवं 5 टन/हे० गोबर की खाद के बाद जुताई	अप्रैल से अगस्त	16 कि० ग्रा०/हे० (190 ग्रा०/कट्ठा) की दर से पंक्तिबद्ध तरिके से 30 x 30 से०मी० की दूरी पर उच्च भूमि में किया जा सकता है।	सिंचाई आवश्यकतानुसार। बोआई के 25-30 दिन पर निकौनी एवं मिट्टी चढ़ाई आवश्यक।	अधिकतम उत्पादन हेतु बोआई के 70-80 दिन के बीच कटाई की जा सकती है।	रु० 1.77 / कि० ग्रा० चारा

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार द्वारा जनहित में प्रचारित